

>

Title : Issue regarding Indian languages in UPSC examinations.

श्री शरद यादव : यूपीएससी में भारतीय भाषाओं को पूरी तरह से घेर करके कम किया जा रहा है। वर्ष 2008 में 4608 लोग थे वे और वर्ष 2013 में वे सभी हटकर 1600 हो गये हैं। कन्नड़, तेलुगु, मराठी, उड़िया, बंगाली, हिन्दी आदि भारतीय भाषाओं के जितने विद्यार्थी हैं, वे वहां के जो चेयरमैन हैं, उनको सरकार नहीं हटा सकी और अब यह मामला दूसरी बार उठा है, वे वह भारतीय भाषाओं का गला घोटने का काम कर रहा है, वे ये जो यूपीएससी का चेयरमैन है, वह पूरे देश में तबाही मचाये हुए है, हजारों लोगों का भविष्य उसने अधर में लटका दिया है। वे आपसे भी लोगों ने बहुत सारी बातें कीं। वे

अध्यक्ष महोदया : जिनको इससे संबद्ध करना है, वे अपना नाम भेज दें।

वे

अध्यक्ष महोदया :

श्री ए.के.एस. विजयन,

श्री कमलेश पासवान,

श्री संजय जायसवाल,

श्री जीतेन्द्र सिंह बुन्देला,

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय,

डा. ए. सम्पत,

श्री पी.के. बिजू,

श्री विश्वमोहन कुमार,

श्री कीर्ति आज़ाद,

श्री राजाराम पाल,

श्री वीरिन्द्र कश्यप,

डा. वीरिन्द्र कुमार,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल,

श्रीमती दर्शना जरदोश,

श्री मनसुखभाई धनसुखभाई वासवा,

श्री हरिभाऊ जावले,

श्री अनुराग ठाकुर,

श्री गणेश सिंह,

श्री महेन्द्र सिंह चौहान,

श्री शिवराम गौड़ा,

श्रीमती जे. शांता,

डा. भोला सिंह,

श्री श्रीपद येरसो नाईक अपने को श्री शरद यादव द्वारा उठाये गये विषय से संबद्ध करते हैं।

वे

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 12 noon.

11.14 hrs

*The Lok Sabha then adjourned till Twelve
of the Clock.*

12.00 hrs

*The Lok Sabha re-assembled at Twelve of the Clock.
(Madam Speaker in the Chair)*

12.0 ¼ hrs

*At this stage, Dr. N. Sivaprasad and some other hon. Members
came and stood on the floor near the Table.*

12.0 ½ hrs